

आरम्भ वर्ष - 2023
चातुर्मासिक - Tri-Annual

वर्ष - तृतीय
अङ्क - षष्ठ (अगस्त - 2025)
ISSN - 3048-6319 (Online)

बुन्देलखण्ड विमर्श BUNDELKHAND VIMARSH

(भारतीय ज्ञान परम्परा की सान्दर्भिक एवं पूर्व-निरीक्षित शोधपत्रिका)
(Refereed & Pre-Reviewed Research Journal of Indian Knowledge System)

प्रकाशक



बरौदी संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति

BARAUDI SANSKRITI SANSKRIT SANSKAR SHIKSHA SAMITI

ग्राम - बरौदी, पत्रालय - सनौरा, जिला - दतिया (मध्यप्रदेश), भारत, 475686.

Vill.- Baraudi, P.O.-Sanora, Distt.-Datia(Madhya Pradesh) Bharat,475686.

Cont.- +91 88277 66640, +91 78799 58816,

Email:- sanskritsamiti17@gmail.com, Website:- www.sanskritsamiti.org

शोधपत्रिका विवरण :-

- शोधपत्रिका का नाम (हिन्दी में) - बुन्देलखण्ड विमर्श
- शोध पत्रिका का नाम (अंग्रेजी में) - BUNDELKHAND VIMARSH
- प्रकाशन का विषय क्षेत्र - बहुविषयक
- प्रकाशन की भाषा - बहुभाषिक
- आरम्भ वर्ष - 2023
- प्रकाशन अवधि - चातुर्मासिक (Tri-Annual)
- ISSN - 3048-6319
- प्रकाशन माध्यम - ऑनलाइन

अंक विवरण :-

- प्रकाशन वर्ष - तृतीय
- अङ्क - षष्ठ (अगस्त - 2025)
- प्रकाशन तिथि - भाद्रपद शुक्लाष्टमी (राधा अष्टमी)
- दिन - रविवार
- विक्रम सम्वत् - २०८२
- प्रकाशन दिनांक - 31 अगस्त 2025

सदस्यता विवरण :-

- वार्षिक सदस्यता - 1500/- रुपये मात्र
- एक अंक - 750/- रुपये मात्र

प्रकाशक विवरण :-

बरौदी संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति (पंजीकृत)

सम्पर्क सूत्र :-

ग्राम - बरौदी, पत्रालय - सनौरा, जिला - दतिया (मध्यप्रदेश), भारत, 475686.
Vill.- Barodi, P.O.-Sanora, Distt.-Datia (Madhya Pradesh) Bharat, 475686.
Email :- sanskritsamiti17@gmail.com, Website :- www.sanskritsamiti.org
Cont.- +91 88277 66640, +91 78799 58816.

प्रधान सम्पादक

डॉ. उपेन्द्र भार्गव

सम्पादक

डॉ. आनन्द प्रकाश शुक्ल

सह सम्पादक

डॉ. कपिल कुमार भार्गव, आकृति शर्मा, नीता शर्मा

-: सम्पादक मण्डल :-

प्रो. श्यामदेव मिश्र (उत्तर प्रदेश)

प्रो. प्रसाद गोखले (महाराष्ट्र)

प्रो. भरत कुमार पण्डा (उड़ीसा)

डॉ. नितिन जैन (नयी दिल्ली)

डॉ. कृष्णकान्त तिवारी (मध्य प्रदेश)

प्रो. नीलाभ तिवारी (मध्य प्रदेश)

प्रो. पराग जोशी (महाराष्ट्र)

डॉ. दिनेश रसाळ (महाराष्ट्र)

डॉ. रमण मिश्र (मध्य प्रदेश)

डॉ. ऋतु पल्लवी (नयी दिल्ली)

-: सहायक सम्पादक :-

डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी (मध्य प्रदेश)

डॉ. धनञ्जय मिश्र (जम्मू एवं कश्मीर)

डॉ. हिमांशु द्विवेदी (मध्य प्रदेश)

डॉ. नरेश शर्मा (हरियाणा)

डॉ. रामकुमारी (गुजरात)

डॉ. लवलेश मिश्र (मध्य प्रदेश)

डॉ. कृष्णकुमार भार्गव (आन्ध्र प्रदेश)

डॉ. मोहन बैरागी (मध्य प्रदेश)

डॉ. राकेश दास (पश्चिम बंगाल)

डॉ. लक्ष्मीविजयन् वी.टी. (केरल)

डॉ. मनोज शिंदे (आन्ध्र प्रदेश)

डॉ. गणेश प्रसाद मिश्र (असम)

डॉ. शमीनाज़ खान (हिमाचल प्रदेश)

डॉ. देशबन्धु (नयी दिल्ली)

डॉ. अवतारजीत सिंह (म.प्र.)

डॉ. पुष्पिन्दर जोशी (पंजाब)

डॉ. रूपाली सारये (मध्य प्रदेश)

डॉ. प्रभाकर पाण्डेय (मध्य प्रदेश)

डॉ. रमा आर्या (मध्य प्रदेश)

डॉ. अवधेश श्रोत्रिय (बिहार)

डॉ. दीपक पाठक (उत्तर प्रदेश)

डॉ. प्रियव्रत मिश्र (उत्तर प्रदेश)

डॉ. अखिलेश्वर मिश्र (तमिलनाडु)

डॉ. राकेश जैन (राजस्थान)

डॉ. विजयानन्द अडिगा (कर्णाटक)

श्रीमती शिरीन कुरैशी (मध्यप्रदेश)

प्रबन्धन एवं तकनीकी सम्पादक

विवेक कुमार शर्मा

राज भार्गव

सम्पादकीय

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया ।

चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

भारतीय ज्ञान परम्परा अपनी विशालता, विविधता और गहनता के कारण विश्व की अद्वितीय धरोहरों में सम्मिलित है। यह केवल प्राचीन ग्रन्थों या शास्त्रीय विमर्श तक सीमित नहीं है, अपितु हमारी संस्कृति, जीवनपद्धति और सामूहिक चेतना में निरन्तर स्पन्दित होती रहती है। 'बुन्देलखण्ड विमर्श' इस निरन्तर प्रवाहित होती परम्परा को समकालीन दृष्टि से समझने, पुनर्परिभाषित करने और उसके सार्थक संरक्षण का एक सजग प्रयास है।

प्रस्तुत शोधपत्रिका भारतीय ज्ञान परम्परा, शास्त्र शिक्षण, संस्कृति, कला एवं मानविकी के विविध आयामों पर किए जा रहे मौलिक, सन्दर्भनिष्ठ और बहुविषयी अनुसन्धानों को व्यापक भारतीय दृष्टिकोण प्रदान करती है। भारतीयता के सन्दर्भ में सम्पूर्ण भारतवर्ष का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक वैभव सदियों से मनीषियों और शोधकर्ताओं को आकर्षित करता रहा है जिसे उन्होंने अपने शोध के माध्यम से ग्रन्थों में समाहित किया है। यह पत्रिका उस सतत चलने वाले बौद्धिक संवाद को आगे बढ़ाते हुए एक जीवन्त विमर्श को प्रोत्साहित करती है जो कि वर्तमान शोधार्थियों के लिए परम आवश्यक है।

आज के वैश्वीकृत परिवेश में, जब परम्पराएँ नए प्रश्नों और चुनौतियों के साथ पुनर्पाठ की अपेक्षा करती हैं, तब ज्ञान की संवृद्धि के लिए गंभीर शोध और मुक्त चिन्तन दोनों अनिवार्य हो उठते हैं। इसी उद्देश्य से यह पत्रिका संस्कृत, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों भाषाओं में विद्वानों, शोधकर्ताओं और जिज्ञासुओं को अपने शोधपरक चिन्तन को शैक्षिक जगत् के समक्ष समीक्षा हेतु उपस्थापित करती है। इसे क्रम में प्रस्तुत अंक के शोधपत्र विभिन्न विषयों में गहनता से भारतीय ज्ञानधारा के अनेक अप्रकाशित पक्षों को प्रकाशित करने का प्रयास करते हैं। हम अपने सभी लेखकों, समीक्षकों और पाठकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग, विश्वास और निरन्तर सहभागिता से 'बुन्देलखण्ड विमर्श' का यह अंक संभव हो सका है।

यह हमारा परम सौभाग्य है कि यह अंक भाद्रपद शुक्लाष्टमी को परम आराध्या भगवती राजराजेश्वरी राधारानी के जन्मदिवस (राधाष्टमी) के शुभ अवसर पर प्रकाशित हो रहा है। यह क्षण हमारे लिए प्रेरणादायी भी है और गौरव का विषय भी। हम आशा करते हैं कि यह शोधपत्रिका विद्वानों के लिए एक विश्वसनीय माध्यम सिद्ध होगी तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन, विश्लेषण और अनुशीलन को नई ऊर्जा और नवदिशा प्रदान करेगी।

डॉ. उपेन्द्र भार्गव
(प्रधान सम्पादक)

भाद्रपद शुक्ल अष्टमी (राधा अष्टमी)
रविवार, वि.सं. २०८२,
३१ अगस्त २०२५

अनुक्रमणिका

	पृ. क्र.
1. ज्योतिषशास्त्रे ज्ञानमीमांसा डॉ. गणेशप्रसादमिश्रः	1 - 8
2. ग्रहगतेः आधुनिकसिद्धान्ताः रूपेशकुमारमिश्रः	9 - 17
3. संस्कृतरूपकविमर्शः डॉ. ललितकिशोरशर्मा	18 - 25
4. श्रीमद्भागवतानुसृतः ग्रहविचारः सु. मुरलिः	26 - 30
5. लक्ष्मीधराचार्यविरचित अद्वैतमकरन्दग्रन्थस्य एकं तात्त्विकविश्लेषणम् प्रवीणः एम्. सज्जन्	31 - 37
6. वास्तुशास्त्रस्य श्रौतपरम्परायां गृहं परितः वृक्षारोपणफलसमीक्षणम् हिमाक्षी शर्मा	38 - 44
7. किरातार्जुनीय महाकाव्य में सन्निहित ज्योतिषशास्त्रीय तत्त्वों का विश्लेषण महेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. देवेश कुमार मिश्र	45 - 51
8. व्याख्याकारों की दृष्टि में योगभ्रंशिकाओं का समीक्षात्मक अध्ययन (पातञ्जलयोगसूत्र के विशिष्ट सन्दर्भ में) डॉ. सुधांशु कुमार षडङ्गी	52 - 63
9. सांख्यदर्शन में 'पुरुष' तत्त्व का विवेचन डॉ. विशाल भारद्वाज	64 - 69
10. वास्तुशास्त्र में प्रतिमालक्षण आकाश दीप	70 - 76
11. विद्यालय स्तर पर समग्र शिक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत नवाचारों का कार्यान्वयन डॉ. प्रभाकर पाण्डेय	77-84
12. हिन्दी साहित्य में कृष्ण काव्यधारा नेहा शर्मा, डॉ. रेखा कुमारी	85 - 93

- | | | |
|-----|---|-----------|
| 13. | माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में वैयक्तिक चेतना और प्रणय-भाव
डॉ० पुष्पा कुमारी | 94 - 101 |
| 14. | भारतीय पुस्तकालय व्यवस्था का विकास: ऐतिहासिक से आधुनिक दृष्टिकोण
शुभम शर्मा | 102 – 107 |
| 15. | RASA SIDHANTA
Dr. K. Narayanan | 108 - 119 |
| 16. | Reviving Sanskrit: NEP's Role in India's Heritage
Pralay Sankar Adhikari | 120- 125 |